Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 24-08-2005

Participants : Suman Shri Ramji Lal

>

Title : Alleged misrepresentation of historical facts in the film 'Mangal Pandey, the Rising.'

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : सभापति महोदय, वर्ा 1857 के नायक मंगल पांडे के नाम पर अभी मंगल पांडे-दि राइजिंग पिक्चर बनी है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस पिक्चर के प्रदर्शन पर लोगों में भारी गुस्सा है। मंगल पांडे क्रांतिकारी थे, स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम शहीद थे और इस देश की आजादी की लड़ाई में जो उनका योगदान था, उसके लिए यह देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। बलिया में जहां वे पैदा हुए, उस गांव का पिक्चर में कहीं नामो-निशान नहीं है और कुछ आपत्तिजनक दृश्य उस पिक्चर में दिखाए गए हैं। एक तवायफ के कोठे में दिखाया गया है और ऐसे कुछ दृश्य जिनका मंगल पांडे की जिंदगी से कोई ताल्लुक नहीं था, वे दिखाए गए हैं। पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी भयंकर प्रतिक्रिया है और वहां लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, रास्ता जाम कर रहे हैं, रेल की पटरियां उखाड़ रहे हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि केवल एक क्रांतिकारी का जीवन क्या था, उसका योगदान क्या था, इसको नजरंदाज करके, निर्माता ने कोशिश की है कि मंगल पाण्डे बिकाऊ माल कैसे बने? इसलिए ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का काम किया है। हमें सीख लेनी चाहिए, रिचर्ड एटन बोरो ने भी गांधी जी पर पिक्चर बनाई थी लेकिन उसमें कोई हल्कापन नहीं था। कोई ऐसी बात नहीं थी, जिसमें यह कोशिश की हो कि यह पिक्चर चलनी चाहिए। इसका ऐतिहासिक सन्दर्भों से संबंध है। यह बहुत गंभीर मामला है और मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि सरकार इसे संज्ञान में ãÉä[i142]।

[p143]

तमाम रंगकर्मी, जो साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से वास्ता रखने वाले हैं और अभी भी हिन्दुस्तान में तमाम राट्रीय स्वाधीनता संग्राम के सैनानी शेा है, उनकी भावनाएं काफी आहत हुई हैं। मैं आपके मार्फत निवेदन करना चाहूंगा कि इस पिक्चर में जो आपत्तिजनक दृश्य हैं, उन दृश्यों को तत्काल निकालें क्योंकि आंदोलन हो रहे हैं। ऐसे तमाम लोग जिनका देश की आजादी में योगदान है, उनकी भावनाओं को आहत करने का काम इस पिक्चर द्वारा किया गया है। सभापित महोदय, मुझे यही निवेदन करना था। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्य वाद करता हूं।